



ओवर-द-टॉप (OTT) मीडिया के युग में फिल्मकारों के लिए अवसर और चुनौतियाँ
**(Opportunities and challenges for filmmakers in the age of over-the-top (OTT)
media)**

ग्यासुद्दीन अहमद खान¹ और डॉ. आवा शुक्ला²

1. शोधार्थी, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद,
2. एसोसिएट प्रोफेसर, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद

सारांश :

स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने दुनिया भर के लोगों को समावेशी कंटेंट की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करके मीडिया उद्योग में क्रांति ला दी है। ओवर-द-टॉप (OTT) मीडिया प्लेटफॉर्मों के उदय ने फिल्म निर्माण और कंटेंट वितरण की पारंपरिक प्रणाली को पूरी तरह से बदल दिया है। ये डिजिटल प्लेटफॉर्म, जो इंटरनेट के माध्यम से सीधे दर्शकों तक सामग्री पहुंचाते हैं, एक नए युग की शुरुआत करते हैं जहाँ पारंपरिक सिनेमाघरों की सीमाएं टूट रही हैं। फिल्म निर्माताओं के लिए यह परिवर्तन रचनात्मक स्वायत्तता, वैश्विक पहुंच और लोकतांत्रिक उत्पादन के अवसर प्रदान करता है। दूसरी ओर, कंटेंट की अधिकता, अनिश्चित राजस्व मॉडल, प्लेटफॉर्म निर्भरता और बढ़ती सेंसरशिप जैसी चुनौतियाँ भी सामने आ रही हैं। यह शोधपत्र विशेष रूप से भारतीय परिप्रेक्ष्य में OTT युग के अवसरों और चुनौतियों का गहन विश्लेषण करता है।

कीवर्ड: ओटीटी, कंटेंट विविधता, तकनीकी नवाचार, समावेशन, मनोरंजन उद्योग

प्रस्तावना :

मनोरंजन उद्योग में ओवर-द-टॉप स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने क्रांति ला दी है, जो वैश्विक दर्शकों को विविध प्रकार की सामग्री प्रदान करते हैं। ओवर-द-टॉप प्लेटफॉर्म की लोकप्रियता में वैश्विक उछाल विविध दृश्य-श्रव्य सामग्री, विशेष रूप से क्षेत्रीय भाषाओं में फिल्मों और मूल श्रृंखलाओं के लिए बढ़ती भूख से प्रेरित है। पारंपरिक टेलीविजन प्रसारण के विपरीत, जो केबल या सैटेलाइट नेटवर्क पर निर्भर करता है, OTT प्लेटफॉर्म इंटरनेट के माध्यम से दर्शकों तक सीधे सामग्री पहुंचाते हैं, बिचौलियों की ज़रूरत को दरकिनार करते हुए और अधिक लचीलापन और पहुंच प्रदान करते हैं। इस सीधे-से-उपभोक्ता दृष्टिकोण ने मनोरंजन उद्योग में काफी बदलाव किया है, दर्शकों को अधिक विकल्प दिए हैं और स्थानीयकृत सामग्री के उदय में योगदान दिया है जो विशिष्ट भाषाई और सांस्कृतिक प्राथमिकताओं को पूरा करती है। इस उभरते परिदृश्य में सामग्री विविधता और समावेशिता तेजी से महत्वपूर्ण हो गई है।



उदाहरण के लिए, भारतीय OTT प्लेटफॉर्म 2023 रिपोर्ट क्षेत्रीय सामग्री के लिए एक मजबूत प्राथमिकता को इंगित करती है, यह अनुमान लगाती है कि 2025 तक, OTT प्लेटफॉर्म पर बिताए गए कुल समय का आधे से अधिक समय क्षेत्रीय भाषाओं में सामग्री का उपभोग करने के लिए समर्पित होगा। ओटीटी उद्योग की सफलता का श्रेय इसके द्वारा कंटेंट के निर्माण, वितरण और उपभोग के तरीके पर पड़ने वाले परिवर्तनकारी प्रभाव को दिया जा सकता है। पारंपरिक सिनेमा की सीमाओं से मुक्त होकर, ओटीटी प्लेटफॉर्म ने कथात्मक संभावनाओं का विस्तार किया है, घर में बेहतर दृश्य देखने के अनुभव की इच्छा को बढ़ावा दिया है, और दर्शकों को अधिक विकल्प और नियंत्रण के साथ सशक्त बनाया है। नेटफ्लिक्स, अमेज़न प्राइम वीडियो, डिज्नी+ हॉटस्टार जैसे OTT प्लेटफॉर्म, और ZEE5, SonyLIV जैसे क्षेत्रीय विकल्प, अब मनोरंजन उद्योग के मुख्य स्तंभ बन चुके हैं। कोविड-19 महामारी ने इस प्रवृत्ति को और बढ़ा दिया है, क्योंकि लॉकडाउन और सामाजिक दूरी के दौरान अपनी मनोरंजन आवश्यकताओं के लिए अधिक से अधिक लोग ओटीटी प्लेटफॉर्म की ओर रुख कर रहे हैं (याकूब एट अल., 2023)। इस व्यवहारिक बदलाव ने सामग्री की विविधता और समावेशिता के महत्व को उजागर किया है, क्योंकि दर्शक ऐसी सामग्री की तलाश करते हैं जो उनके अपने अनुभवों और दृष्टिकोणों को दर्शाती हो (श्रीधर और फड़तारे, 2022)। भारत का तेजी से बढ़ता ओटीटी बाजार नेटफ्लिक्स और अमेज़न प्राइम जैसी स्ट्रीमिंग दिग्गजों के लिए एक युद्ध का मैदान बन गया है, जो इस आकर्षक परिदृश्य में प्रभुत्व के लिए होड़ कर रहे हैं। पारंपरिक प्रसारकों से अलग दिखने और भारतीय दर्शकों का ध्यान खींचने के लिए, ये प्लेटफॉर्म विविध और आकर्षक सामग्री में भारी निवेश कर रहे हैं जो विभिन्न प्रकार की प्राथमिकताओं को पूरा करती हैं। OTT प्लेटफॉर्म वे स्ट्रीमिंग सेवाएं हैं जो पारंपरिक केबल या सेटेलाइट के बिना इंटरनेट के माध्यम से वीडियो सामग्री प्रदान करती हैं। ये सब्सक्रिप्शन (SVOD), विज्ञापन आधारित (AVOD) और ट्रांज़ैक्शन आधारित (TVOD) मॉडल पर कार्य करती हैं। वैश्विक OTT बाजार 2026 तक 200 बिलियन अमेरिकी डॉलर पार कर सकता है। इसके पीछे इंटरनेट की बढ़ती पहुंच, स्मार्टफोन का उपयोग और ऑन-डिमांड कंटेंट की मांग मुख्य कारक हैं। भारत में 45 से अधिक सक्रिय OTT प्लेटफॉर्म हैं। FICCI-EY रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले वर्षों में भारत का OTT राजस्व 20% की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ेगा। सस्ते इंटरनेट, क्षेत्रीय भाषाओं में कंटेंट की विविधता और युवा आबादी ने इस विस्तार को गति दी है। MX Player, ALTBalaji और Eros Now जैसे प्लेटफॉर्मों ने क्षेत्रीय और निचे कंटेंट को मुख्यधारा में ला दिया है। यह शोधपत्र तकनीकी, रचनात्मक, वित्तीय और नीतिगत पहलुओं से इस बदलाव की पड़ताल करता है।

ओवर-द-टॉप (OTT) मीडिया के युग में फिल्मकारों के लिए अवसर और चुनौतियाँ -

ओटीटी प्लेटफॉर्म का उदय और वैश्विक सामग्री उपभोग पर उनका प्रभाव: नेटफ्लिक्स, अमेज़न प्राइम और डिज्नी+ जैसे ओटीटी प्लेटफॉर्म के बढ़ते प्रभुत्व ने सामग्री निर्माताओं के लिए वैश्विक दर्शकों तक पहुंचने और ऐसी कहानियाँ बताने के नए अवसर पैदा किए हैं, जिन्हें पहले कम ही दिखाया जाता था। अधिक उपभोक्ता-केंद्रित वातावरण की ओर बदलाव ने दर्शकों को विशिष्ट शैलियों से लेकर विविध सांस्कृतिक दृष्टिकोणों तक की विस्तृत श्रृंखला की सामग्री का पता लगाने का अधिकार दिया है (श्रीधर और फड़तारे, 2022)। इसका पारंपरिक मीडिया परिदृश्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है, क्योंकि सामग्री प्रदाता दर्शकों की बदलती प्राथमिकताओं को पूरा करना चाहते हैं (गनुजा और वीसेंस, 2014)। ओवर-द-टॉप प्लेटफॉर्म ने बेजोड़ सुविधा और लचीलापन प्रदान करके मनोरंजन उपभोग में क्रांति ला दी है। दर्शक कभी भी, कहीं भी और विभिन्न उपकरणों पर सामग्री तक पहुंच सकते हैं, जिसमें कंप्यूटर, टैबलेट, स्मार्टफोन और यहाँ तक कि पारंपरिक टेलीविजन सेट भी शामिल हैं। यह पहुंच और यह चुनने की स्वतंत्रता कि क्या, कब और कैसे देखना है, ओटीटी की लोकप्रियता के प्रमुख चालक रहे हैं।



भारत की भाषाई विविधता: क्षेत्रीय OTT सामग्री के विकास को बढ़ावा देना: भारत का विविध भाषाई परिदृश्य और व्यक्तिगत, ऑन-डिमांड मनोरंजन की बढ़ती मांग देश में OTT प्लेटफॉर्म की उल्लेखनीय वृद्धि के पीछे प्रमुख चालक रहे हैं। क्षेत्रीय विकल्पों सहित कई भाषाओं में सामग्री की एक विस्तृत श्रृंखला की पेशकश करके, इन प्लेटफॉर्म ने सफलतापूर्वक व्यापक दर्शकों तक पहुंच बनाई है और विभिन्न भाषाई समूहों की विशिष्ट सांस्कृतिक प्राथमिकताओं को पूरा किया है। इसके अलावा, OTT प्लेटफॉर्म ने क्षेत्रीय कलाकारों, निर्देशकों और लेखकों के लिए अवसर पैदा करके मनोरंजन उद्योग को महत्वपूर्ण बढ़ावा दिया है। प्रामाणिक, स्थानीयकृत सामग्री के निर्माण ने दर्शकों को आकर्षित किया है और क्षेत्रीय सिनेमा के विकास में योगदान दिया है। OTT प्लेटफॉर्म की लागत-प्रभावशीलता ने उन्हें पारंपरिक मनोरंजन विकल्पों के लिए एक आकर्षक विकल्प भी बना दिया है, जिससे उनका उपयोग और बढ़ गया है।

समावेशी मीडिया: कम प्रतिनिधित्व वाली आवाजों के लिए उत्प्रेरक के रूप में OTT प्लेटफॉर्म: OTT प्लेटफॉर्म के सबसे उल्लेखनीय लाभों में से एक है, विशिष्ट दर्शकों को ध्यान में रखकर काम करना और कम प्रतिनिधित्व वाले समुदायों के लिए एक प्लेटफॉर्म प्रदान करना। इससे एक ज्यादा समावेशी और विविधतापूर्ण मीडिया परिदृश्य सामने आया है, जहाँ पहले हाशिए पर रहने वाली आवाजें और दृष्टिकोण अब सुने जा सकते हैं। हालाँकि, OTT स्पेस में कंटेंट विविधता और समावेशिता की खोज अपनी चुनौतियों के बिना नहीं है। OTT प्रदाताओं को कंटेंट लाइसेंसिंग, उत्पादन और वितरण के जटिल परिदृश्य को नेविगेट करना होगा, उद्योग की व्यावसायिक वास्तविकताओं के साथ विविध दर्शकों की माँगों को संतुलित करना होगा (गनुजा और वीसेंस, 2014)। इसके अतिरिक्त, इन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कंटेंट की प्रचुरता कभी-कभी कंटेंट ओवरलोड के रूप में जानी जाने वाली घटना को जन्म दे सकती है, जहाँ दर्शक विकल्पों की विशाल मात्रा से अभिभूत हो जाते हैं। इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए, OTT प्लेटफॉर्म दर्शकों को उनकी रुचियों और प्राथमिकताओं के अनुरूप कंटेंट खोजने में मदद करने के लिए वैयक्तिकरण और अनुशंसा एल्गोरिदम पर तेजी से ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इससे फिल्टर बबल्स का निर्माण हो सकता है, एल्गोरिदम संबंधी पूर्वाग्रह की संभावना हो सकती है, तथा दर्शकों के लिए विविध विषय-वस्तु तक पहुंच सीमित करने का जोखिम पैदा हो सकता है।

ओटीटी सेवाओं में सामग्री विविधता और समावेशिता प्राप्त करने में चुनौतियाँ: जैसे-जैसे ओटीटी परिदृश्य विकसित होता जा रहा है, प्लेटफॉर्म के लिए सामग्री विविधता और समावेशिता के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता बनाए रखना महत्वपूर्ण होगा, यह सुनिश्चित करते हुए कि हाशिए पर पड़े समुदायों की कहानियों और दृष्टिकोणों को समान प्रतिनिधित्व और प्रमुखता दी जाए। ऐसा करके, ओटीटी प्लेटफॉर्म न केवल अपने दर्शकों के लिए देखने के अनुभव को बढ़ा सकते हैं, बल्कि एक अधिक समावेशी और न्यायसंगत मनोरंजन पारिस्थितिकी तंत्र में भी योगदान दे सकते हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों में से एक मुख्यधारा के दर्शकों की जरूरतों को पूरा करने और विविध प्रकार की सामग्री प्रदान करने के बीच संतुलन बनाने की आवश्यकता है। जबकि लोकप्रिय, उच्च-बजट वाले प्रोडक्शन बड़े दर्शकों को आकर्षित कर सकते हैं, यह सुनिश्चित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि हाशिए पर पड़े समुदायों और कम प्रतिनिधित्व वाली आवाजों को अपनी कहानियाँ बताने के लिए एक मंच दिया जाए (याकूब एट अल., 2023)।

OTT कंटेंट रणनीतियों में व्यावसायिक वास्तविकताओं और दर्शकों की माँगों को संतुलित करना: इस समस्या को हल करने के लिए, OTT प्लेटफॉर्म विविधता और समावेश को प्राथमिकता देने वाली कंटेंट निर्माण और अधिग्रहण रणनीतियों में तेजी से निवेश कर रहे हैं। इसमें विविध रचनाकारों से मूल कंटेंट प्राप्त करना, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निर्मित फ़िल्मों और सीरीज़ को प्राप्त करना और ऐसे क्यूरेटेड संग्रह विकसित करना शामिल है जो कम प्रतिनिधित्व वाले दृष्टिकोणों को उजागर करते हैं (इवेन्स और डॉडर्स, 2018)। इसके अतिरिक्त, वैश्विक स्ट्रीमिंग के उदय ने दुनिया भर के कंटेंट क्रिएटर्स



के लिए अंतरराष्ट्रीय दर्शकों तक पहुँचने के नए अवसर खोले हैं। इससे सांस्कृतिक विविधता और अद्वितीय कथाओं की खोज के लिए अधिक प्रशंसा हुई है, जिन्हें पहले पारंपरिक मीडिया द्वारा अनदेखा किया जा सकता था। यह स्पष्ट है कि OTT प्लेटफॉर्म के विकास का मनोरंजन उद्योग पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है, और कंटेंट विविधता और समावेशिता पर निरंतर जोर इस गतिशील परिदृश्य के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण होगा। जैसे-जैसे ये प्लेटफॉर्म अनुकूलन और नवाचार करना जारी रखते हैं, उनके लिए कंटेंट विविधता और समावेशिता को प्राथमिकता देना महत्वपूर्ण होगा, यह सुनिश्चित करते हुए कि सभी दर्शकों के पास कहानियों और दृष्टिकोणों के समृद्ध और विविध चयन तक पहुँच हो।

OTT युग में क्रॉस-कल्चरल सहयोग और रचनात्मक स्वायत्तता: मनोरंजन प्रदाताओं के रूप में अपनी भूमिका से परे, ओवर-द-टॉप प्लेटफॉर्म वैश्विक समुदायों के निर्माण और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए शक्तिशाली उत्प्रेरक के रूप में उभरे हैं। भौगोलिक सीमाओं को पार करके, OTT प्लेटफॉर्म साझा जुनून वाले व्यक्तियों को जोड़ते हैं, उन्हें विविध दृष्टिकोणों से परिचित कराते हैं और सभी पृष्ठभूमि के कहानीकारों को सशक्त बनाते हैं। OTT प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया और ऑनलाइन फोरम के साथ मिलकर जीवंत वर्चुअल स्पेस बनाते हैं जहाँ प्रशंसक समान विचारधारा वाले व्यक्तियों से जुड़ सकते हैं जो विशिष्ट शैलियों, संस्कृतियों या शौक के लिए अपना उत्साह साझा करते हैं। अपनेपन की यह भावना भौतिक सीमाओं को पार करती है, ऐसे लोगों को एकजुट करती है जो अन्यथा कभी एक-दूसरे से नहीं मिल पाते।

OTT प्लेटफॉर्म पर कंटेंट मॉडरेशन, कॉपीराइट प्रोटेक्शन और विज्ञापन में AI की भूमिका: OTT सेवाएँ फ़िल्में, टीवी शो और अन्य सामग्री स्ट्रीम करने के लिए पसंदीदा विकल्प बन गई हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की विघटनकारी शक्ति सहज उपयोगकर्ता अनुभव और वैयक्तिकृत अनुशंसाओं के लिए आधार प्रदान करती है। AI ने कस्टमाइज्ड सुझाव, बेहतर कंटेंट चयन और एक सहज स्ट्रीमिंग अनुभव के प्रावधान के माध्यम से मनोरंजन क्षेत्र को बदल दिया है। AI एल्गोरिदम उपयोगकर्ता डेटा और देखने के व्यवहार का उपयोग करके उपयोगकर्ता की पसंद से मेल खाने वाली कस्टमाइज्ड सामग्री का आकलन और वितरण करते हैं, जिसमें शैली, अभिनेता और उपयोगकर्ता रेटिंग जैसे कारक शामिल होते हैं। यह एक सावधानीपूर्वक क्यूरेट की गई सामग्री के अनुभव की गारंटी देता है जो ध्यान बनाए रखता है और उपभोक्ताओं को नए पसंदीदा खोजने में सहायता करता है। AI मेटाडेटा, उपयोगकर्ता रेटिंग और एनालिटिक्स का उपयोग करके कंटेंट क्यूरेशन को बेहतर बनाता है ताकि उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं के साथ संरेखित सामग्री का चयन और व्यवस्थित किया जा सके। यह अस्पष्ट लेकिन मूल्यवान विकल्पों, ट्रेडिंग शो और वैयक्तिकृत सूचियों के निर्माण की खोज की सुविधा प्रदान करता है, जिससे एक सुखद और कुशल उपयोगकर्ता अनुभव प्राप्त होता है। AI लगातार उपयोगकर्ता फ़ीडबैक और इंटरैक्शन के आधार पर कंटेंट सुझावों का विश्लेषण और अद्यतन करता है।

फिल्म निर्माताओं के लिए अवसर : OTT पर सेंसरशिप अपेक्षाकृत कम होने से फिल्मकार नए विषयों, प्रयोगात्मक फॉर्मेट और संवेदनशील मुद्दों पर काम कर सकते हैं। उदाहरण के लिए सेक्रेड गेम्स जैसे शो ने राजनीति, धर्म और यौन विषयों को खुले रूप में प्रस्तुत किया। OTT की मदद से एक क्षेत्रीय भाषा में बनी फिल्म भी वैश्विक दर्शकों तक पहुँच सकती है। उदाहरण के लिए, द लंचबॉक्स जैसी फिल्मों को अंतरराष्ट्रीय दर्शकों ने OTT के जरिए सराहा। OTT प्लेटफॉर्म यूजर डेटा के आधार पर दर्शकों की पसंद-नापसंद समझते हैं, जिससे फिल्म निर्माताओं को लक्ष्यबद्ध कंटेंट बनाने में मदद मिलती है। अब स्वतंत्र फिल्म निर्माता भी बिना बड़े बैनर के अपनी फिल्में दर्शकों तक पहुँचा सकते हैं। उदाहरण के लिए, चिंटू का बर्थडे, राम सिंह चाली जैसी फिल्में OTT से चर्चा में आईं। OTT पर वेब सीरीज, मिनी सीरीज, डॉक्यूमेंट्री, एंथोलॉजी जैसे फॉर्मेट को प्रयोग में लाया जा सकता है।



फिल्म निर्माताओं के लिए चुनौतियाँ : OTT पर कंटेंट की अधिकता के कारण नई फिल्मों का ध्यानाकर्षण कठिन हो जाता है। एल्गोरिदम लोकप्रिय कंटेंट को बढ़ावा देते हैं जिससे इंडी प्रोजेक्ट्स छूट सकते हैं। अधिकतर फिल्म निर्माताओं को कंटेंट राइट्स के लिए एकमुश्त भुगतान मिलता है, जिससे दीर्घकालिक आय और ट्रांसपेरेंसी की कमी होती है। OTT पर रिलीज फिल्मों को सिनेमा हॉल जैसी सामूहिक प्रतिक्रिया और महत्त्व नहीं मिल पाता। OTT अब नए गेटकीपर बन चुके हैं जहाँ एल्गोरिदम और बिजनेस प्राथमिकताएँ रचनात्मकता पर भारी पड़ती हैं। भारत में 2021 के IT नियमों के बाद, कई शो और फिल्में विवादों में आईं उदाहरण के लिए तांडव सीरीज पर कानूनी कार्यवाही और विवाद हुए।

केस स्टडीज़ :

गुलाबो सिताबो (2020) : यह पहली मुख्यधारा की हिंदी फिल्म थी जिसे अमेज़न प्राइम पर सीधे रिलीज किया गया, और इसने डिजिटल-फर्स्ट रिलीज की संभावना को दर्शाया।

स्कैम 1992 (2020) : हर्षद मेहता पर आधारित यह वेब सीरीज, SonyLIV पर आई और बड़ी सफलता पाई। इसकी कहानी, अभिनय और प्रोडक्शन क्वालिटी ने वेब सीरीज के स्तर को ऊपर उठाया।

तुम्बाड (2018) : थियेटर में औसत प्रदर्शन के बाद, यह फिल्म OTT पर कल्ट क्लासिक बन गई। इसका विजुअल स्टाइल और पौराणिक थीम डिजिटल दर्शकों को खूब पसंद आया।

तुलनात्मक विश्लेषण: थिएटर बनाम OTT

पहलू	थियेट्रिकल रिलीज	OTT रिलीज
पहुँच	सीमित और समयबद्ध	वैश्विक और 24x7
राजस्व	बॉक्स ऑफिस कलेक्शन	लाइसेंसिंग/सब्सक्रिप्शन आधारित
फॉर्मेट	फीचर फिल्म	वेब सीरीज, लघु फिल्म, डॉक्यूमेंट्री
सेंसरशिप	CBFC द्वारा नियंत्रित	अब सरकारी निगरानी में
दृश्यता	स्टार आधारित प्रचार	एल्गोरिदम आधारित खोज

भविष्य की दिशा : भविष्य में एक हाइब्रिड मॉडल उभरकर सामने आएगा। जहाँ बड़े बजट की फिल्में थिएटर में रिलीज होंगी, वहीं मध्यम बजट, क्षेत्रीय और प्रयोगात्मक फिल्में OTT पर आएंगी। इन चुनौतियों के बावजूद, OTT प्लेटफॉर्म का भविष्य कंटेंट की विविधता और समावेशिता को अपनाने की उनकी क्षमता पर टिका है। ऐसे प्लेटफॉर्म जो कई तरह की प्राथमिकताओं को पूरा करते हैं। AI, VR/AR और ब्लॉकचेन जैसी तकनीकें फिल्म निर्माण और वितरण को और परिष्कृत करेंगी।



निष्कर्ष : OTT प्लेटफॉर्म के उदय ने मनोरंजन उद्योग को मौलिक रूप से बदल दिया है, जिसने सामग्री विविधता और समावेशिता के महत्व पर जोर दिया है। विभिन्न स्रोतों से सामग्री की एक विस्तृत श्रृंखला को क्यूरेट करने और वितरित करने की क्षमता इन प्लेटफॉर्म की निरंतर सफलता के लिए सर्वोपरि होगी। OTT युग फिल्मकारों के लिए रचनात्मकता, नवाचार और दर्शकों से संवाद का नया मंच है। लेकिन इसके साथ आने वाली चुनौतियाँ — दृश्यता, राजस्व और सेंसरशिप — पर विचार और रणनीति आवश्यक है। जो फिल्म निर्माता इस नए युग की जटिलताओं को समझ कर संतुलन बना सकें, वही सफल होंगे। OTT पारंपरिक सिनेमा की जगह नहीं लेगा, बल्कि उसे एक नई दिशा देगा। OTT प्लेटफॉर्म का भविष्य सामग्री विविधता और समावेशिता को अपनाने और बढ़ावा देने की उनकी क्षमता पर टिका है। बढ़ते वैश्विक दर्शकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए, इन प्लेटफॉर्म को कहानियों और विचारों की एक विविध और व्यापक श्रेणी सुनिश्चित करते हुए विकसित और समायोजित करना जारी रखना चाहिए। इस दृष्टिकोण को अपनाने से, ओवर-द-टॉप (OTT) प्लेटफॉर्म न केवल भयंकर प्रतिस्पर्धी मीडिया उद्योग में फलेंगे-फूलेंगे, बल्कि एक अधिक व्यापक और एकीकृत वैश्विक समाज को आकार देने में भी महत्वपूर्ण प्रभाव डालेंगे। सामग्री के विभाजन और अवैध नकल जैसी बाधाओं को दूर करने के लिए, उन्हें सावधानीपूर्वक योजना बनाने और उन सिद्धांतों के प्रति दृढ़ समर्पण के साथ उनसे निपटने की जरूरत है, जिनके कारण वे अब तक सफल हुए हैं। जबकि चुनौतियाँ बनी हुई हैं, OTT प्लेटफॉर्म की स्थायी लोकप्रियता बताती है कि वे वीडियो सामग्री का उपभोग करने और उससे जुड़ने के तरीके के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे।

संदर्भ :

1. मेहता नलिन (2015) बिहाइंड अ बिलियन स्क्रीन्स - व्हाट टेलीविजन टेल अस अबाउट मॉडर्न इंडिया, हापर कॉलिंग्स
2. आदित्य एस (2018) द ग्रेट इंडियन वीडियो बैटल हॉट स्टार अमेज़न, नेटफ्लिक्स से आगे - द क्विंट.
3. बाजपेयी नवल (2017) बिजनेस रिसर्च मेथड्स, पियर्सन इंडिया एजुकेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड.
4. आहूजा आर (2020) भारतीय युवाओं पर वेब श्रृंखला और स्ट्रीमिंग कंटेंट के प्रभावों का अध्ययन IJCRT 8:1042-10551
5. Gupta, G., & Singharia, K. (2021, February 1). Consumption of OTT Media Streaming in COVID-19 Lockdown: Insights from PLS Analysis. SAGE Publishing, 25(1), 36-46. <https://doi.org/10.1177/0972262921989118>
6. How Inclusion and Diversity are Redefining the Art of Storytelling through OTT Platforms. (n.d.). GUS India Global. <https://www.gusindia.global/media/how-inclusion-and-diversity-are-redefining-the-art-of-storytelling-through-ott-platforms>
7. Mariam, H. (2024, April 3). Globalization Unveiled: The Transformative Journey of OTT Platforms. Medium. <https://medium.com/@thehibamariam/globalization-unveiled-the-transformative-journey-of-ott-platforms-914b7f76084c>
8. Myfrenzi. (2023, September 21). Inclusive Representation in OTT Content - myfrenzi - Medium. Medium. <https://medium.com/@getcatalyzedseo/inclusive-representation-in-ott-content-2cf63c316eb4>



9. Park, E. (2017, January 9). Why the networks can't beat Netflix: speculations on the US OTT Services Market. Emerald Publishing Limited, 19(1), 21-39. <https://doi.org/10.1108/dprg-08-2016-0041>
10. Sridhar, S., & Phadtare, P P. (2022, May 25). Behavioral shift of generation X towards OTT during Covid'19 in India., 176-184. <https://doi.org/10.18137/cardiometry.2022.22.176184>
11. Tyagi, K. (2019, May 16). Merger control in the telecom industry: a landscape transformed. Emerald Publishing Limited, 41(6), 3-9. <https://doi.org/10.1108/jbs-10-2018-0173>
12. Yaqoub, M., Jingwu, Z., & Ambekar, S S. (2023, January 3). Pandemic impacts on cinema industry and over-the-top platforms in China., 191(1), 105-128. <https://doi.org/10.1177/1329878x221145975>



**MULTIDISCIPLINARY COSMOPOLITAN JOURNAL OF RESEARCH
(MUCOJOR)-2583-9829 (On-line)**

International Peer Reviewed and Refereed Journal

Certification of Publication

The Board of Multidisciplinary Cosmopolitan Journal of Research (MUCOJOR) is hereby awarding
this certificate to

ग्यासुद्दीन अहमद खान

In recognition of the publication of the paper entitled
ओवर-द-टॉप (OTT) मीडिया के युग में फिल्मकारों के लिए अवसर और चुनौतियाँ

Published in Volume 03, Issue 05, June 2025.

EDITOR IN CHIEF



**MULTIDISCIPLINARY COSMOPOLITAN JOURNAL OF RESEARCH
(MUCOJOR)-2583-9829 (On-line)**

International Peer Reviewed and Refereed Journal

Certification of Publication

The Board of Multidisciplinary Cosmopolitan Journal of Research (MUCOJOR) is hereby awarding
this certificate to

डॉ. आवा शुक्ला

In recognition of the publication of the paper entitled
ओवर-द-टॉप (OTT) मीडिया के युग में फिल्मकारों के लिए अवसर और चुनौतियाँ

Published in Volume 03, Issue 05, June 2025.

EDITOR IN CHIEF